कोई जानकारी नहीं है कि राज्य व्यापार तथा सहकारी व्यापार द्वारा छोटे व्यापारी बेरोजगार हो गये हैं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं।

राजस्थान में औद्योगिक विकास

3705. श्री ओंकारलाल बोहरा : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान के औद्योगिक विकास के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल तथा अन्य राज्यों की तुलना म राजस्थान में उद्योग में बहुत कम पूंजी लगी हुई है जिससे राजस्थान के जीवन स्तर पर प्रभाव पड़ा है; और

(ग) यदि हां, तो राजस्थान में सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्र के उद्योगों में पूंजी लगाने को बढ़ावा देने के लिये सरकार द्वारा यदि कोई नीति बनाई गई है, तो क्या ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग). सूचना इकट्ठी की जा रही है और वह यथासमय सभा-पटल पर रख दी जायगी।

राजस्थान में बड़ी लाइन

3706. श्री ओंकारलाल बोहरा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्य राज्यों की तुलना में राजस्थान में कुल रेलवे लाइनों तथा बड़ी लाइनों की प्रति-व्यक्ति लम्बाई कितनी है ;

(ख) राजस्थान के बड़े नगरों को मिलाने के लिये बड़ी रेलवे लाइन बिछाने के लिये क्या कायवाही की जा रही है; और

(ग) राजस्थान में रेलवे सुविधाओं को बढ़ाने के लिये अगले बजट में कितनी धन-राशि की व्यवस्था की गई है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) रेलवे लाइनों की लम्बाई से सम्बन्धित सूचना राज्यों के अनुसार नहीं बल्कि रेलवे के अनुसार संकलित की जाती है। मार्ग और क्षत्रीय रेलों के रेल-पथ की लम्बाई का पूरा ब्यौरा भारतीय रेलों पर रेलवे बोर्ड की रिपोर्ट का अनुपूरक 1966-67 के वर्ष के लिए सांख्यिकी विवरणों के विवरण संख्या 8 में दिया गया है, जिसकी प्रतियां संसद् के पुस्तकालय में उपलब्ध हैं।

(ख) राजस्थान में मीटर लाइनों का पर्याप्त रूप से जाल बिछा हुआ है। हाल ही में, राजस्थान में जैसलमेर-पोकरन के बीच 105 किलोमीटर लम्बी नयी मीटर लाइन यातायात के लिए खोली गई है। इसके अतिरिक्त हिन्दूमलकोट से श्रीगंगानगर तक (27.56 किलोमीटर) एक बड़ी लाइन का निर्माण हो रहा है।

(ग) 1968-69 के बजट में जैसलमेर-पोकरन लाइन पर 49.60 लाख रुपये और हिन्दूमलकोट-श्रीगंगानगर पर 20.06 लाख रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। जहां तक अन्य रेल सुविधाओं का प्रश्न है, यह सम्भव नहीं है कि राजस्थान में जो निर्माण कार्य शुरू किये गये हैं उन्हें अलग किया जाय क्योंकि राजस्थान और उससे लगे राज्यों में उत्तर और पश्चिम रेलें चलती हैं। उन रेलों पर विकास सम्बन्धी जो काम हो रहे हैं और 1968-69 में जिन्हें शुरू करने का प्रस्ताव है, उन्हें उनकी वित्तीय लागत के साथ "1968-69 के लिए रेलों के निर्माण, मशीन और चल-स्टाक कार्यक्रम" में बताया गया है, जो रेलवे बजट के साथ संसद् में पेश किया जा चुका है।